विकास संवार्य ॥ २ ॥ ३ ॥ आयोषनं युद्धभूमिं ॥ महद्विशसनं वधसाधनभूनं ॥ १॥ वमाध्ये ममधनश्रीतः ॥ एवदिनित्द्वह्मृत्विवश्रांनं अपेविसर्ववनत्त्वयुद्धभूमिं । वर्ष्वा विकास । १ ॥ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा । १ ॥ वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्षा वर्षा । १ ॥ वर्ष